भारतीय सेना को हाइड्रोजन बसें मिलीं

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में **भारतीय सेना** ने हाइड्रोजन ईंधन सेल बस प्रौद्योगिकी के प्रदर्शन परीक्षणों के लिये **इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL)** के साथ सहयोग किया है।

- भारतीय सेना को अपनी पहली **हाइड्रोजन ईंधन सेल से चलने वाली बस** भी प्राप्त हुई, जो स्वच्छ और हरित परिवहन अपनाने की दिशा में एक सार्थक कदम है।
- इस बस में 37 यात्री एक साथ के बैठने की क्षमता है और यह 30 किलोग्राम के हाइड्रोजन ईंधन टैंक के एक रिफिल पर 250-300 किलोमीटर का माइलेज देती है।
- इससे पहले 21 मार्च, 2023 को भारतीय सेना उत्तरी सीमाओं पर ग्रीन हाइड्रोजन आधारित माइक्रोग्रिड पावर प्लांट की स्थापना के लिये **NTPC रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड** के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वाली, पहली सरकारी इकाई बन गई।
- हाइड्रोजन ईंधन सेल प्रौद्योगिकी परिवहन के लिये एक स्वच्छ और कुशल समाधान प्रदान करती है। यह एकमात्र उपोत्पाद के रूप में **जलवाष्प के साथ हाइड्रोजन गैस तथा ऑक्सीजन के बीच प्रतिक्रिया के माध्यम से बिजली उत्पन्न** करता है।
    - यह इसे पारंपरिक ईंधन का एक आकर्षक विकल्प बनाती है, विशेष रूप से पृथ्वी पर हाइड्रोजन की प्रचुर मात्र को देखते हुए।

HOW DO HYDROGEN FUEL CELLS WORK?

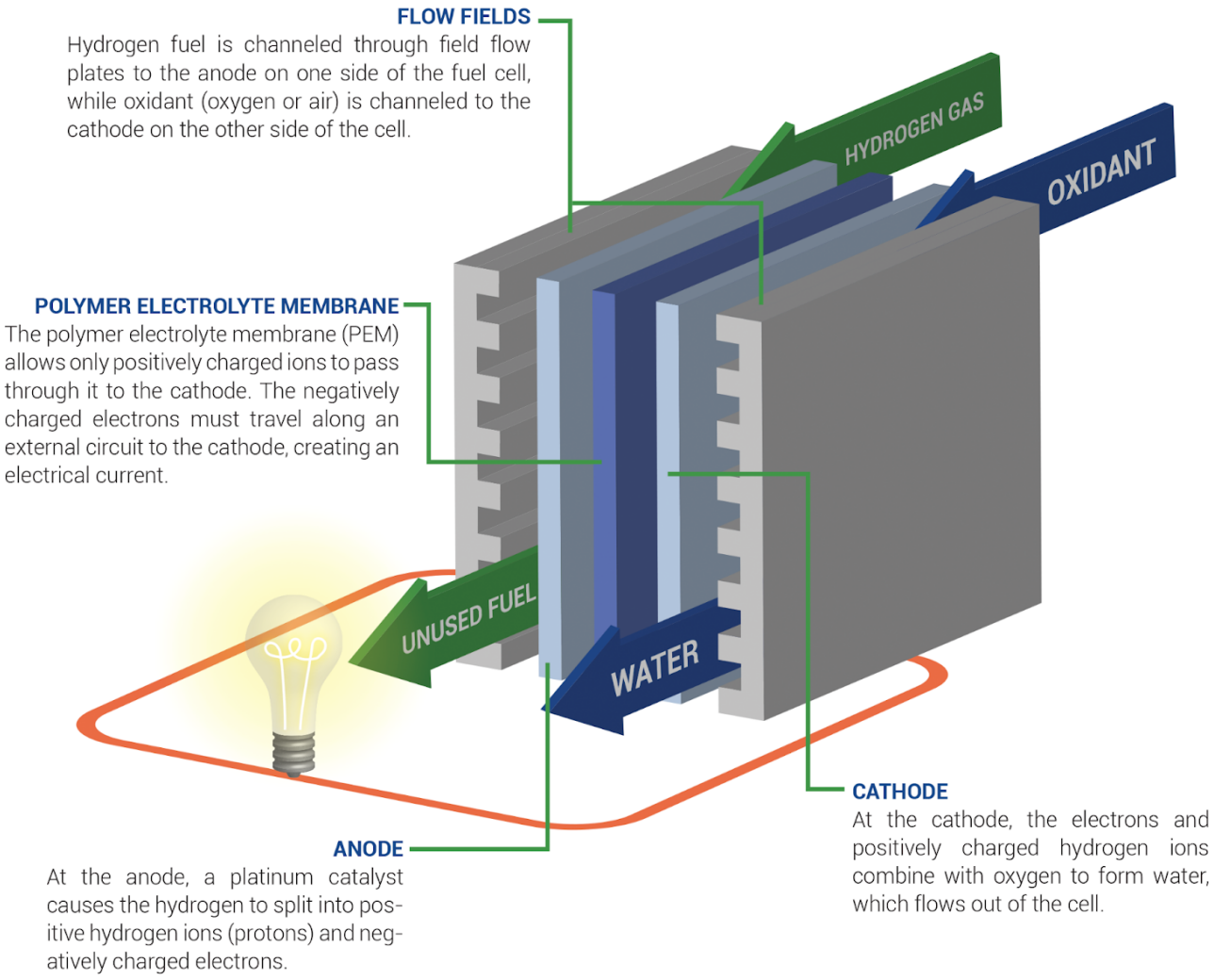

//

और पढ़ें: [हाइड्रोजन ईंधन सेल](), [भारत की पहली स्वदेशी हाइड्रोजन ईंधन सेल नौका](), [पहली ग्रीन हाइड्रोजन ईंधन सेल बस]()

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/indian-army-received-hydrogen-buses